प्रारंभिक परीक्षा

एशिया में जलवायु की स्थिति रिपोर्ट 2024

संदर्भ

विश्व मौसम विज्ञान संगठन(WMO) की **एशिया में जलवायु की स्थिति रिपोर्ट 2024 के अनुसार, एशिया वैश्विक औसत से लगभग दोगुनी गति से गर्म हो रहा है।**

रिपोर्ट के बारे में -

- **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा प्रकाशित**
- **उद्देश्य:** एशिया भर में जलवायु परिस्थितियों और प्रवृत्तियों की वर्तमान स्थिति का आकलन करना और उसे प्रस्तुत करना।
- **मुख्य निष्कर्ष:**
  - **एशिया भर में रुझान:**
    - **2024 में औसत तापमान**: 1991-2020 आधार रेखा से +1.04°C अधिक - रिकॉर्ड पर सबसे गर्म या दूसरा सबसे गर्म वर्ष।
    - तापमान वृद्धि की प्रवृत्ति (1991-2024) 1961-1990 की दर से लगभग दोगुनी है।
    - पूर्वी एशिया में अप्रैल से नवंबर तक हीटवेव चलती रहीं।
      - जापान में सबसे अधिक गर्मी रही, यहां का तापमान सामान्य से +1.76°C अधिक रहा।
      - कोरिया, चीन, रूस ने कई मासिक तापमान रिकॉर्ड दर्ज किये।
  - **भारत-विशिष्ट मुख्य अंश**:
    - **प्रचंड गर्मी**: उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में तापमान 50°C के करीब पहुंच गया।
    - **मानसून 2024**:
      - कुल मिलाकर सामान्य (1971-2020 औसत का 108%)।
      - दक्षिण एशिया में सामान्य से अधिक तथा अधिक तीव्रता वाली वर्षा।
    - **केरल (वायनाड)**: भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप 350 से अधिक लोगों की मौत हो गई।

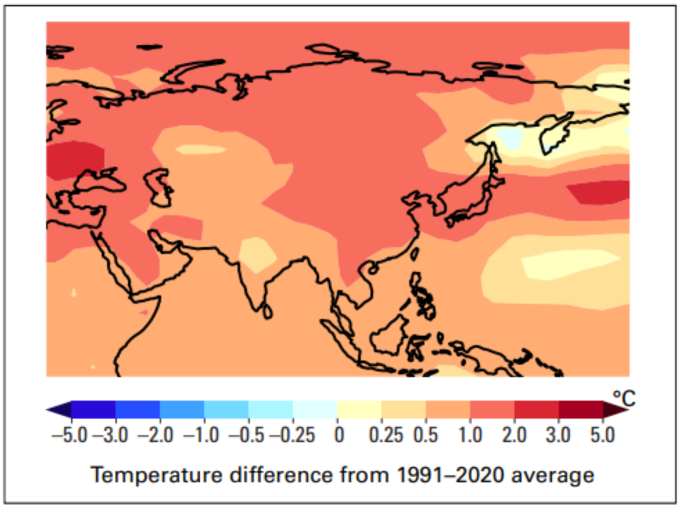

Figure 3. Annual near-surface temperature anomaly (°C, difference from the 1991–2020 average) for 2024

Source: This map was taken from https://doi.org/10.5281/zenodo.3783894 in January 2025 and may not fully align with United Nations and WMO map guidance. Data shown are the median of the following six data sets: Berkeley Earth, ERA5, GISTEMP, HadCRUT5, JRA-3Q, NOAAGlobalTemp v6.

समुद्र सतह का तापमान (SST) और समुद्र स्तर में वृद्धि -

- **एशिया में समुद्र तटीय तापमान**: अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड।
- **SST वार्मिंग दर**: 0.24°C/दशक (वैश्विक दर 0.13°C/दशक का लगभग 2 गुना)।
- प्रशांत और हिंद महासागर के तटों पर समुद्र का स्तर वैश्विक औसत से अधिक हो गया।

- **उल्लेखनीय महासागरीय तापमान वृद्धि वाले क्षेत्र:** उत्तरी अरब सागर, पूर्वी चीन सागर, पीला सागर और प्रशांत महासागर के कुछ भाग।
- **समुद्री हीटवेव (अत्यधिक तीव्रता):** 1993 के बाद से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र।
    - उत्तरी हिंद महासागर, पूर्वी चीन सागर, पीले सागर में सबसे गंभीर।

ग्लेशियर(हिमनद) का नुकसान -

- **मध्य हिमालय और तियान शान के 24 में से 23 हिमनदों का द्रव्यमान कम हो गया।**
- **बढ़े हुए जोखिम:**
    - हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (GLOF)
    - भूस्खलन
    - जल सुरक्षा को खतरा
- **जीएलओएफ (GLOF)**: हिमनद झीलों से पानी का अचानक रिसाव, जो प्रायः हिमोढ़ या हिमनद बर्फ द्वारा बांध दिया जाता है।

चक्रवाती गतिविधि -

- **उत्तरी हिंद महासागर में चार उष्णकटिबंधीय चक्रवात बने:**
    - **बंगाल की खाड़ी**: चक्रवात **रेमल**, **दाना**, **फेंगल**
    - **अरब सागर**: चक्रवात **अस्ना**(1891 के बाद से केवल चौथी ऐसी घटना)
        - **चक्रवात रेमल**: बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल पर प्रभाव (मई 2024)
        - **चक्रवात अस्ना**: ओमान में आया; 5 मीटर ऊंची लहरें उठीं
        - **चक्रवात फेंगल**: श्रीलंका में बारिश और भूस्खलन से प्रभावित

स्रोत: **TheHindu**

सतत विकास रिपोर्ट (SDR)

संदर्भ

सतत विकास रिपोर्ट का 10वां संस्करण जारी किया गया।

सतत विकास रिपोर्ट (SDR) 2025 के बारे में -

- **यह क्या है: 193 संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के लिए सतत विकास लक्ष्यों (SDG) की दिशा में प्रगति की दुनिया की सबसे आधिकारिक वार्षिक रैंकिंग।**
- **जारीकर्ता**: संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क (**SDSN**) द्वारा।
- **2025 के संस्करण का फोकस**:
  - 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों का वित्तपोषण।
  - विकास असमानता को दूर करने के लिए वैश्विक वित्तीय संरचना (GFA) में सुधार करना।
- **शीर्ष 3 देश**:
  - फिनलैंड
  - स्वीडन
  - डेनमार्क

SDR 2025 की मुख्य विशेषताएं -

- **मजबूत वैश्विक प्रतिबद्धता**: 193 संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों में से 190 ने स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा (VNR) प्रस्तुत की - जो उच्च राजनीतिक सहभागिता का संकेत है।
- **क्षेत्रीय नेतृत्व**: आर्थिक विकास और लक्षित नीति सुधारों के कारण पूर्व और दक्षिण एशिया ने 2015 के बाद से सबसे तेज प्रगति दर्शाई।
- **स्कोर में शीर्ष सुधारक**: बेनिन (+14.5), नेपाल (+11.1), यूएई (+9.9), पेरू (+8.7)
- **यूरोपीय प्रभुत्व**: शीर्ष 20 सतत विकास लक्ष्यों (SDG) प्रदर्शनकर्ताओं में से 19 यूरोप से हैं, जो कल्याण, शिक्षा और हरित ऊर्जा में उनके निवेश को उजागर करता है।
- **वैश्विक पिछड़ापन**: 17 सतत विकास लक्ष्यों में से कोई भी वैश्विक स्तर पर पूरी तरह से पटरी पर नहीं है।
  - **केवल 17% सतत विकास लक्ष्य ही प्रगति पर हैं।**
- **बहुपक्षवाद सूचकांक**: संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली बहुपक्षवाद के प्रति प्रतिबद्धता में बारबाडोस प्रथम स्थान पर है।
  - हाल ही में प्रमुख वैश्विक संधियों से पीछे हटने के कारण अमेरिका अंतिम स्थान (193वें) पर है।
- **राजकोषीय अंतराल**: लगभग 50% देशों में सतत विकास लक्ष्य से जुड़े कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करने के लिए वित्तीय क्षमता का अभाव है।
- **वैश्विक वित्तीय असमानता**: वर्तमान वैश्विक वित्तीय संरचना (GFA) असमान रूप से धनी देशों का पक्ष लेती है, जिससे EMDE (उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं) पूंजी से वंचित हो जाती हैं।

SDR 2025 में भारत का प्रदर्शन -

- **रैंक: 99वां स्थान – भारत ने SDR इतिहास में पहली बार शीर्ष 100 में प्रवेश किया।**
- **स्कोर**: विशेष रूप से डिजिटल पहुंच और सामाजिक सेवाओं में लगातार सुधार दर्शाता है।
- **क्षेत्रीय तुलना**:
  - **चीन**: 49वां
  - **भारत**: 99वां
  - **बांग्लादेश**: 114वां
  - **पाकिस्तान**: 140वां
- **प्रगति क्षेत्र**:
  - **SDG-3 (स्वास्थ्य सेवा)**
  - **SDG-7 (बिजली तक पहुंच)**
  - **SDG-9 (डिजिटल अवसंरचना)**
- **प्रमुख चुनौतियाँ**:
  - **SDG-2**: बढ़ता मोटापा
  - **SDG-13**: कमज़ोर जलवायु कार्रवाई
  - **SDG-16**: प्रेस स्वतंत्रता और संस्थागत पारदर्शिता

स्रोत: TheHindu

SDG प्रगति के लिए प्रमुख वैश्विक चुनौतियाँ -

- **भू-राजनीतिक संघर्ष:** युद्ध और अशांति SDG कार्यान्वयन को बाधित करते हैं, विशेष रूप से कमज़ोर देशों में।
- **सीमित राजकोषीय क्षमता**: ऋण और कम राजस्व स्वास्थ्य, शिक्षा और हरित तकनीक में निवेश करने की क्षमता को सीमित करते हैं।
- **जलवायु संकट**: जलवायु परिवर्तन असमानता, खाद्य असुरक्षा और जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाता है।
- **अनुचित वित्तीय प्रणाली:** जीएफए अमीर देशों को लाभ पहुंचाना जारी रखता है जबकि ईएमडीई को पूंजी की कमी का सामना करना पड़ता है।
- **संस्थागत कमज़ोरियाँ:** खराब शासन और डेटा की कमी साक्ष्य-आधारित SDG योजना में बाधा डालती है।

B-2 बमवर्षक(B-2 Bomber)

संदर्भ

अमेरिका ने ईरान के भूमिगत परमाणु स्थलों पर B-2 स्टील्थ बमवर्षकों और बंकर बस्टर बमों का उपयोग करते हुए फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान में स्थित सुविधाओं को निशाना बनाते हुए बड़ा हवाई हमला किया।

B-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर के बारे में -

- **प्रकार: अमेरिकी लंबी दूरी, सभी ऊंचाई पर मार करने वाला स्टील्थ रणनीतिक बमवर्षक**
- **निर्माता**: नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन कॉर्पोरेशन
- **लागत**: लगभग **2.1 बिलियन डॉलर प्रति इकाई** - **दुनिया का सबसे महंगा सैन्य विमान**
- **मुख्य विशेषताएं एवं क्षमताएं:**
  - **फ्लाइंग-विंग डिज़ाइन, रडार-शोषक सामग्री और कम इन्फ्रारेड सिग्नेचर के कारण कम रडार अवलोकनीयता**
  - हवाई ईंधन भरने के साथ वैश्विक पहुँच
  - पारंपरिक और परमाणु दोनों हथियार ले जा सकते हैं
  - आंतरिक खांचों को बड़े हथियारों को रखने के दौरान गुप्तता(**stealth**) बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है
  - **केवल GBU-57A/B मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (MOP) ले जाने में सक्षम विमान**

स्रोत: TheHindu

आपातकाल के 50 वर्ष

संदर्भ

50 वर्ष पहले 25 जून 1975 को भारत में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया गया था।

आपातकालीन प्रावधानों के बारे में -

- **संविधान के भाग XVIII में उल्लिखित 3 आपात स्थितियों के प्रकार;**
  - **राष्ट्रीय आपातकाल** - **अनुच्छेद 352**
  - **राज्य आपातकाल** (जिसे राष्ट्रपति शासन के नाम से जाना जाता है) - **अनुच्छेद 356**
  - **वित्तीय आपातकाल** - **अनुच्छेद 360**
- **अनुच्छेद-355:** यह केंद्र को राज्यों को बाहरी आक्रमण और आंतरिक गड़बड़ी से बचाने का अधिकार देता है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि राज्य सरकारें संविधान के अनुसार कार्य करें।
- **अनुच्छेद- 356:** यह केंद्र को किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की शक्ति प्रदान करता है, यदि वह संवैधानिक मानदंडों का पालन करने में विफल रहता है।
- **राष्ट्रपति शासन के प्रभाव**:
  - राष्ट्रपति शासन के तहत राज्य का प्रशासन करने का अधिकार राष्ट्रपति को होता है, क्योंकि इससे मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली राज्य मंत्रिपरिषद को बर्खास्त कर दिया जाता है।
  - राष्ट्रपति यह घोषणा कर सकते हैं कि राज्य विधानमंडल की शक्तियों का प्रयोग संसद द्वारा किया जाएगा।
  - राष्ट्रपति उच्च न्यायालय से संबंधित प्रावधानों को छोड़कर राज्य में किसी भी प्राधिकरण से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों के निलंबन सहित अन्य सभी महत्वपूर्ण कदम उठा सकते है।
- **संसद द्वारा संवैधानिक आपातकाल को मंजूरी**:
  - **संसद के दोनों सदनों को राष्ट्रपति शासन की घोषणा को उसके जारी होने के 2 महीने के भीतर अनुमोदित करना होगा**
  - **आवश्यक बहुमत:** साधारण बहुमत
  - **राष्ट्रपति शासन की अवधि:** यदि दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो **राष्ट्रपति शासन 6 महीने तक जारी रहता है।**

क्या आप जानते हैं -

- **अनुच्छेद 356 का पहली बार प्रयोग 1951 में पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाते समय किया गया था।**
- संसद, राष्ट्रपति या किसी अन्य निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बनाए गए कानून राष्ट्रपति शासन की समाप्ति के बाद भी प्रभावी बने रहते हैं। अर्थात्, कानून राष्ट्रपति शासन की अवधि के साथ समाप्त नहीं होते हैं ।
  - हालाँकि ऐसे कानूनों को राज्य विधानमंडल द्वारा परिवर्तित या निरस्त किया जा सकता है।
- **विभिन्न स्रोतों से उधार लिया गया – स्रोत: प्रावधान**
  - **जर्मनी:** आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों का निलंबन
  - **भारत सरकार अधिनियम 1935**: आपातकालीन प्रावधान

स्रोत: Indian Express

ई-रक्त कोष

संदर्भ

स्वास्थ्य मंत्रालय देश की दुर्लभ दाता रजिस्ट्री(Rare Donor Registry) को ई-रक्त कोष के साथ एकीकृत करने पर विचार कर रहा है।

ई-रक्त कोष प्लेटफॉर्म क्या है?

- **यह एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो पूरे भारत में रक्त बैंकों और रक्त की उपलब्धता के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करता है।**
- **विकास:** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की रक्त कोशिका पहल के अंतर्गत सी-डैक द्वारा विकसित।
- **उद्देश्य:**
    - भारत में सभी रक्त-संबंधी सेवाओं के लिए आधिकारिक पोर्टल के रूप में कार्य करता है।
    - इसका उद्देश्य रक्त सेवाओं के लिए "एक राष्ट्र, एक मंच" के दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए सभी रक्त सेवा सूचनाओं को एक ही मंच पर एकत्रित करना है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
    - देश भर के रक्त बैंकों से वास्तविक समय की जानकारी के साथ नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करता है।
    - रक्त बैंकों में कुशल कार्यप्रवाह प्रबंधन के लिए संपूर्ण आईटी समाधान प्रदान करता है।
    - गूगल प्ले स्टोर और iOS दोनों पर वेब ब्राउज़र और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सुलभ।
    - उमंग, ई-हॉस्पिटल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल और ई-सुश्रुत और ई-उपकरण जैसे प्रमुख सी-डैक उत्पादों के साथ सहज एकीकरण।

भारतीय दुर्लभ दाता रजिस्ट्री (RDRI) के बारे में -

- **क्या?** दुर्लभ रक्त समूह दाताओं का राष्ट्रीय डेटाबेस।
- **लॉन्च किया गया:** आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहेमेटोलॉजी (NIIH)

स्रोत: The Hindu

अम्बुबाची मेला

संदर्भ

वार्षिक अम्बुबाची मेले के लिए हजारों भक्त कामाख्या मंदिर पहुंचे हैं।

अम्बुबाची मेले के बारे में -

- **यह गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में आयोजित होने वाला एक वार्षिक हिंदू त्यौहार है।**
- यह आयोजन **मानसून के मौसम** में **असमिया महीने अहार (मध्य जून) में** होता है।
- यह त्यौहार देवी माँ कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म चक्र का प्रतीक है।
- पूर्वी भारत के तांत्रिक शक्ति पंथ के साथ इसके गहरे संबंधों के कारण इसे अमेटी या तांत्रिक प्रजनन त्यौहार भी कहा जाता है।
- यह मेला असम सरकार और कामाख्या मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है।

कामाख्या मंदिर के बारे में -

- **स्थित:** गुवाहाटी में नीलाचल पहाड़ियों (जिसे कामगिरी के नाम से भी जाना जाता है)।
- **पुनर्निर्मित:** काला पहाड़ द्वारा नष्ट किये जाने के बाद 16वीं शताब्दी के मध्य में कोच राजवंश द्वारा इसका पुनर्निर्माण किया गया।
- **विशेषताएं:** इसे 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है।
  - तांत्रिक पूजा का महत्वपूर्ण केंद्र, आर्य और अनार्य परंपराओं के सम्मिश्रण का प्रतिनिधित्व करता है।

स्रोत: Indian Express

समाचार संक्षेप में

ताबो मठ

समाचार? चरम मौसम की घटनाओं के डर से, ताबो मठ ने ASI को SOS संदेश भेजा।

ताबो मठ के बारे में -

- **अवस्थिति**: स्पीति घाटी, हिमाचल प्रदेश
- **स्थापित: 996 ई. में गुगे राजा येशे-ओ की ओर से रिनचेन जांगपो द्वारा;**
- **महत्व**: सबसे पुराने मठों में से एक।
- **हिमाचल प्रदेश में अन्य मठ:**
    - शशूर मठ
    - क्ये गोम्पा मठ
    - धनकर मठ
    - नाको मठ

स्रोत: [The Tribune]

समाचार में स्थान एवं व्यक्तित्व

मॉरीशस

समाचार? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम को भारत आने का न्योता दिया

मॉरीशस के बारे में -

- **अवस्थिति:** अफ्रीका के पूर्वी तट से दूर, मेडागास्कर के पूर्व में, हिंद महासागर में स्थित द्वीप राष्ट्र।
- **राजधानी**: **पोर्ट लुईस**
- **भूगोल एवं जलवायु**
  - **प्रकार**: **ज्वालामुखी द्वीप**, लगभग 8 मिलियन वर्ष पहले बना।
  - **सबसे ऊंची चोटी**: **माउंट पिटोन** (828 मीटर), दक्षिण-पश्चिम पठार।
  - **मुख्य जल स्रोत**: **वेकोआस झील**
  - **जलवायु**: समुद्री **उपोष्णकटिबंधीय**, वर्ष भर एक समान तापमान।
- **सदस्यता और रणनीतिक महत्व**
  - **संगठनों के सदस्य:**
    - **कोमेसा** (पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका के लिए साझा बाजार)
    - **एसएडीसी** (दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय)
  - **मुख्यालय स्थान**:
    - हिंद महासागर रिम एसोसिएशन
    - हिंद महासागर आयोग

स्रोत: TheHindu

एलजीरिया

समाचार? अल्जीरिया के प्रासीक्यूटर जनरल ने उपन्यासकार बौआलेम संसल के लिए 10 वर्ष के कारावास की अपील सुनवाई की मांग की।

अल्जीरिया के बारे में -

- **राजधानी:** अल्जीयर्स, भूमध्यसागरीय तट पर स्थित।
- **भूगोल:**
  - उत्तर में उपजाऊ तटीय मैदान
  - **हाइलैंड्स और सहारन एटलस:** मैदानी और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों वाला अर्ध-शुष्क क्षेत्र
  - **सहारा रेगिस्तान:** देश के लगभग 85% भाग पर फैला हुआ है, जिसमें टीले (एर्ग्स) और पत्थर के पठार हैं
  - **जलवायु:** तट पर भूमध्यसागरीय (गर्म, शुष्क ग्रीष्मकाल और हल्की, गीली सर्दियाँ); दक्षिण

	में रेगिस्तान, जहाँ तापमान में अत्यधिक उतार-चढ़ाव होता है। • **अर्थव्यवस्था**: तेल और प्राकृतिक गैस का एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक; हाइड्रोकार्बन निर्यात इसके व्यापार राजस्व का लगभग 95% का आधार है • **हाल ही में समाचार: अल्जीरिया न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) का 9वां सदस्य बन गया।**

श्री नारायण गुरु

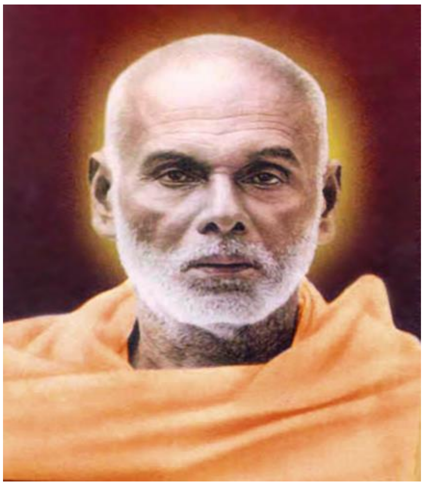

समाचार? प्रधानमंत्री ने हाल ही में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में महात्मा गांधी और श्री नारायण गुरु के बीच 1925 की बैठक के शताब्दी समारोह में भाग लिया।

श्री नारायण गुरु (1856-1928) के बारे में -

- **पहचान: केरल के संत, दार्शनिक, आध्यात्मिक नेता और समाज सुधारक।**
- **एझावा समुदाय से संबंधित** - गंभीर जाति-आधारित भेदभाव का सामना करना पड़ा।
- **सुधारक**: जाति व्यवस्था के विरुद्ध अहिंसक विद्रोह का नेतृत्व किया; केरल समाज को परिवर्तित किया।
- **दर्शन**: **सार्वभौमिक समानता की वकालत** - " **ओरु जथि, ओरु माथम, ओरु दैवम, मनुष्यु** " (मानव जाति के लिए एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर)
- **प्रमुख आंदोलन और संस्थाएं**:
  - **अरुविप्पुरम आंदोलन (1888)**: अरुविप्पुरम में एक शिव मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई - ब्राह्मणवादी मंदिर प्रवेश बाधाओं को चुनौती दी गई।
  - **मंदिर निर्माण**: निचली जातियों के लिए स्वतंत्र रूप से पूजा करने हेतु केरल भर में 40 से अधिक मंदिरों की स्थापना की गई।
  - **शिवगिरी मठ (1904)**: वर्कला के पास शिवगिरी पहाड़ी पर एक आश्रम की स्थापना की - जो अब एक आध्यात्मिक और सुधारवादी केंद्र है।
  - **SNDP योगम (1903)**: पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए श्री नारायण धर्म परिपालन योगम की स्थापना की।
    - गुरु स्थायी अध्यक्ष थे; कुमारन आसन महासचिव थे।
    - एझावाओं के लिए शिक्षा, नौकरी और राजनीतिक अधिकारों की वकालत की।
  - **वैकोम सत्याग्रह:** मंदिर प्रवेश और समानता के लिए अस्पृश्यता विरोधी विरोध में भाग लिया।

	• **साहित्यिक कृतियाँ**: ○ अद्वैत दीपिका ○ आत्मविलासम् ○ दैव दशकम ○ ब्रह्मविद्या पंचकम **स्रोत: PIB**

मूल्य संवर्धन के लिए तथ्य, डेटा या केस स्टडीज़

भारत में बाल श्रम- आंकड़े	**समाचार?** हाल ही में **जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन (JRC)** ने गैर सरकारी संगठनों और कानून प्रवर्तन के सहयोग से भारत में बाल श्रम की व्यापकता से संबंधित अवलोकन प्रकाशित किया। **मुख्य निष्कर्ष -** ● **भारत में बाल श्रम बचाव (अप्रैल 2024–मार्च 2025):** ○ **कुल बचाए गए बच्चे**: **24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** से **53,651 बच्चे**। ○ **बचाव के मामले में शीर्ष 5 राज्य**: ■ **तेलंगाना** – 11,063 ■ **बिहार** – 3,974 ■ **राजस्थान** – 3,847 ■ **उत्तर प्रदेश** – 3,804 ■ **दिल्ली** – 2,588 ● **शोषण की प्रवृत्तियाँ:** बचाए गए 90% बच्चे (मुख्यतः 10-14 वर्ष की आयु के) बाल श्रम के सबसे बुरे स्वरूप में थे: ○ स्पा, मसाज पार्लर, ऑर्केस्ट्रा मंडली, घरेलू काम ○ यौन शोषण, पोर्नोग्राफी, वेश्यावृत्ति का उच्च जोखिम ○ **यौन शोषण से बचाए गए बच्चे**: 2,971; शीर्ष राज्य - पश्चिम बंगाल (1,005), बिहार (454), ओडिशा (232), महाराष्ट्र (194), राजस्थान (191)। ● **प्रवर्तन एवं कानूनी कार्रवाई**: ○ **बचाव अभियान**: कानून प्रवर्तन के सहयोग से गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित 38,889। ○ **एफआईआर और गिरफ्तारियां**: ■ 38,388 एफआईआर दर्ज की गईं। ■ 5,809 गिरफ्तारियां की गईं, जिनमें से 85% बाल श्रम से संबंधित थीं। ■ **बचाव और गिरफ्तारी दोनों में तेलंगाना सबसे आगे रहा, उसके बाद बिहार और राजस्थान का स्थान रहा।** ■ **उल्लेखनीय प्रवर्तन अंतराल**: उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कई लोगों को बचाया गया, लेकिन गिरफ्तारियां कम हुईं। **नीति अनुशंसाएँ -** ● समर्पित वित्त पोषण के साथ बाल श्रम समाप्ति हेतु राष्ट्रीय मिशन। ● जिला स्तरीय बाल श्रम कार्य बल। ● बाल श्रम पुनर्वास कोष और राष्ट्रीय पुनर्वास नीति। ● 18 वर्ष तक शिक्षा अनिवार्य करना। ● सरकारी खरीद में बाल श्रम के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति लागू करना। ● कानून के अंतर्गत खतरनाक व्यवसायों की सूची का विस्तार करना। ● SDG 8.7 लक्ष्य की समय-सीमा 2030 तक बढ़ाना **स्रोत:** **IndianExpress**